**Detailed Feasibility Report on the proposed pipeline from Kandla to Bhatinda**

2041. SHRI CHITTA BASU: WiD the Ministei of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1294 given in the Rajya Sabha on the 21st November, 1988 and state:

(a) whether Government have since examined the Detailed Feasibility Report on the proposed Petroleum Products Pipeline required to be laid from Kandla to Bhatinda for transporting petroleum products;

(b) if so, whether the report has been cleared by Govt.; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) to (c) The Detailed Feasibility Report is being processed for Government approval.

**किसी जिले को औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित करने के मापदंड**

2042. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किसी जिले को औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित करने का क्या मापदंड है;

(ख) इस मापदंड को पूरा करने वाले जिलों के नाम क्या हैं और इनमें से उन जिलों की संख्या क्या है जिन्हें औद्योगिक रूप से पिछड़ा घोषित किया गया है और इनमें से किन-किन जिलों को अभी निकट भविष्य में पिछड़ा जिला घोषित किया जाना है;

(ग) क्या सवाई माधोपुर जिले को औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा जिला घोषित किये जाने की सम्भावना है और क्या इस जिले के विकास के लिए कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

**उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम):** (क) और (ख) किसी जिले को पिछड़ा जिला घोषित करने के लिए निर्धारित मानदंड हैं:—प्रति व्यक्ति खाद्यान्नों/वाणिज्य फसलों का उत्पादन यह इस पर निर्भर करता है कि क्या जिला मुख्यतः खाद्यान्नों/नकद फसलों का उत्पादन करने वाला है; कृषि कामगारों की तुलना में जनसंख्या का अनुपात; प्रतिव्यक्ति औद्योगिक उत्पादन; प्रति लाख जनसंख्या में कारखाने में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या अथवा वैकल्पिक रूप में प्रति लाख जनसंख्या में गौण और तीसरे दर्जे के कार्यकलापों में लगे व्यक्तियों की संख्या; प्रतिव्यक्ति बिजली की खपत; जनसंख्या की तुलना में भूतल सड़कों की लम्बाई अथवा जनसंख्या की तुलना में रेलवे के मीलों की संख्या। जिला उद्योग केन्द्र की कार्य योजना 1979-80 के अनुसार जिन जिलों में कोई बड़ा या मझौला उद्योग नहीं होता उन्हें "उद्योग रहित जिले" माना जाता था। 1-4-1983 से औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े जिलों का 3 वर्गों अर्थात क, ख और ग में पुनः वर्गीकृत किया गया था। ऐसे जिलों के नाम और संख्या 20 अक्तूबर, 1986 तक अद्यतन इन्सेंटिव फार इन्डस्ट्रीज इन बेकवर्ड एरियाज नामक पुस्तिका में दी गई है, जिसकी प्रतियां संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

(ग) और (घ) हाल ही में सरकार ने यह निर्णय किया है कि पिछड़े क्षेत्रों का औद्योगिकीकरण विकास केन्द्र की अवधारणा के माध्यम से किया जाएगा। अतः सवाई माधोपुर सहित किसी जिले को औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा घोषित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

**Production of Mobile Desalination Plants by BHEL for purifying brakish water**

2043. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether BHEL has undertaken commercial production of Mobile Desalination Plants for purifying brakish water into drinking water and other applications for use in drought prone regions;